हवन मंत्र (Hawan Mantra)

हवन मंत्र (Hawan Mantra)

हवन से पहले शुद्धि मंत्र- ॐ अपवित्र: पवित्रो सर्वावस्थां गतोपिवा य: स्मरेत पुण्डरीकाक्ष स:

क्ष स:

वाह्यभ्यतरे: शुचि:ह्यभ्यतरे: शुचि:।

अब आप हवन कुंड में अग्नि प्रज्वल करने का मंत्र पढ़ते हुए कपूर से अग्नि को प्रज्वलित कर लेना

है।

अग्नि प्रज्वल करने का मंत्र: प्रज्वल करने का मंत्र:- चंद्रमा मनसो जात: तच्चक्षो: सूर्यअजायत श्रोताद्वायुप्राणश्च मुखादार्ग्निजायत

यत।

अब आप सभी देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले भगवान गणेश जी को इस मंत्र केसाथ

आहुति दें दें –

ॐ गं गणपतये नम: स्वाहा

अब आप नवग्रहों को आहूत देते हुए हवन कुंड में अर्पित करे –

1. ॐ सूर्याय नम: स्वाहा
2. ॐ सोमायय नम: स्वाहा
3. ॐ भोमाय नम: स्वाहा

4. ॐ बुधाय नम: स्वाहा

5. ॐ गुरवे नम: स्वाहा

6. ॐ भृगवे नम: स्वाहा

7. ॐ शनिश्चराये नम: स्वाहा
8. ॐ राहवे नम: स्वाहा
9. ॐ केतवे नम: स्वाहा

अब इन मंत्रो का उच्चारण करते हुए हवन कुंड में अर्पित करे -

आग्नेय नम: स्वाहानेय नम: स्वाहा –

“हे अग्नि देवता

, आपको नमस्कार।” यह मंत्र अग्नि देवता को समर्पित है। अग्नि देवता को देवताओं ं

का दूत माना जाता है। वे देवताओं से मनुष्यों तक और मनुष्यों से देवताओं तक संदेश पहुंचाते हैं।

ते हैं।

अग्नि देवता को हवन केलिए भी आवश्यक माना जाता है।

है।

गणेशाय नम: स्वाहा –

"हे गणेश जी, आपको नमस्कार।" यह मंत्र गणेश जी को समर्पित है। गणेश जी को बुद्धि और ज्ञान
न
केदेवता माना जाता है। वे सभी कार्यों में सफलता प्राप्त करने केलिए आवश्यक माने जाते हैं।
ते हैं।
गौरियाय नम: स्वाहायाय नम: स्वाहा –
"हे गौरी देवीी, आपको नमस्कार।" यह मंत्र गौरी देवी को समर्पित है। गौरी देवी को मां दुर्गा का एक
एक
रूप माना जाता है। वे शुभता
, मंगल और सुखंगल और सुख-समृद्धि की देवी हैं।
ी हैं।
नवग्रहाय नम: स्वाहा –
"हे नवग्रहोंग्रहों, आपको नमस्कार।" यह मंत्र नवग्रहों को समर्पित है। नवग्रहों को ज्योतिष में बहुत महत्व

दिया जाता है। माना जाता है कि नवग्रहों की स्थिति से मनुष्य केजीवन पर प्रभाव पड़ता है। है।
दुर्गाय नम: स्वाहाय नम: स्वाहा –
"हे मां दुर्गा
ा, आपको नमस्कार।" यह मंत्र मां दुर्गा को समर्पित है। मां दुर्गा को शक्ति और भक्ति की
की
देवी माना जाता है। वे सभी प्रकार केकष्टों और बाधाओं को दूर करने वाली देवी हैं।
ी हैं।